भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.02.2020 के

अतारांकित प्रश्न सं. 475 का उत्तर

झारखंड में रेल प्रस्ताव

475. श्री पशुपति नाथ सिंहः
श्रीमती अन्नपुर्णा देवीः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान झारखंड से रेलवे को प्राप्त हुए प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त प्रस्तावों पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) इन प्रस्तावों में से वर्तमान में रेलवे के समक्ष लंबित प्रस्तावों का स्थान-वार और कार्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) ऐसे प्रस्तावों के लंबित होने के क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

Sk

झारखंड में रेल प्रस्ताव के संबंध में दिनांक 05.02.2020 को लोक सभा में श्री पशुपति नाथ सिंह और श्रीमती अन्नपुर्णा देवी के अतारांकित प्रश्न सं. 475 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेलवे द्वारा विभिन्न स्तरों अर्थात् रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों और मंडल मुख्यालयों आदि पर नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण, औपचारिक/अनौपचारिक दोनों के लिए प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/मांग प्राप्त होते रहते हैं। इस प्रकार के प्रस्तावों/अनुरोधों/सुझावों/ मांगों का प्राप्त होना एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है और इस प्रकार के अनुरोधों का केंद्रीकृत संकलन नहीं रखा जाता है।

नई रेलवे लाइनों के लिए सर्वेक्षण स्वीकृत किए जाते हैं जो राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, जनप्रतिनिधियों से प्राप्त मांगों और रेलवे की स्वयं की जरूरतों पर आधारित होते हैं। सर्वेक्षण के पूरा होने के बाद, रिपोर्ट की समीक्षा की जाती है और परियोजनाओं पर उसकी वित्तीय व्यवहार्यता सहित वरीयता के आधार पर विचार किया जाता है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान शामिल/स्वीकृत पूर्णत:/आंशिक रूप से झारखंड राज्य में पड़ने वाली रेलवे परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	शामिल करने का वर्ष	वर्तमान स्थिति
1.	चित्रा-बसुकीनाथ नई लाइन (37 किमी)	2016-17	यह परियोजना स्वीकृत की गई है और इसे झारखंड राज्य के साथ 50:50 की लागत में भागीदारी के आधार पर निष्पादित किया जा रहा है। कार्य शुरू किया गया है।
2.	गोद्दा-पाकुर नई लाइन (80 किमी)	2016-17	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई है और इस प्रस्ताव पर आगे विचार करना डीपीआर का परिणाम आने के बाद ही संभव हो सकेगा।
3.	पारसनाथ-मधुबन-गिरिडीह नई लाइन (35 किमी)	2018-19	यह परियोजना स्वीकृत की गई है और इसे झारखंड राज्य के साथ 50:50 की लागत में भागीदारी के आधार पर निष्पादित किया जा रहा है। कार्य शुरू किया गया है। भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य प्रारंभ किए गए हैं।
4.	टुंडू-नीचितपुर नई लाइन (25.81 किमी)	2018-19	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को तैयार करने संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।
5.	नमकुम-कांड्रा नई लाइन (106 किमी)	2018-19	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई है और इस प्रस्ताव पर आगे विचार करना डीपीआर का परिणाम आने के बाद ही संभव हो सकेगा।

*****

Sk